

सामाजिक सहयोग की भूमिका: महाविद्यालयीन छात्रों में शैक्षणिक तनाव से निपटने की क्षमता

डॉ. शिखा जैन, अभिलाष कुमार जैन

सारांश

आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में प्रतिस्पर्धा, अपेक्षाएँ और कार्यभार के कारण महाविद्यालयीन छात्रों में शैक्षणिक तनाव एक सामान्य किंतु गंभीर समस्या बन गई है। यह तनाव छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षणिक प्रदर्शन, आत्म-सम्मान तथा जीवन संतुलन पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। ऐसी स्थिति में सामाजिक सहयोग (Social Support) छात्रों के तनाव प्रबंधन में एक महत्वपूर्ण संरक्षक कारक के रूप में उभरता है। सामाजिक सहयोग में परिवार, मित्र, शिक्षक तथा सहपाठी द्वारा प्रदान किया गया भावनात्मक, सूचनात्मक और व्यावहारिक समर्थन सम्मिलित होता है, जो व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों से निपटने में सहायक बनाता है।

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य महाविद्यालयीन छात्रों में सामाजिक सहयोग और शैक्षणिक तनाव से निपटने की क्षमता (Coping Ability) के मध्य संबंध का विश्लेषण करना है। अध्ययन हेतु 200 छात्रों (100 पुरुष व 100 महिला) का चयन किया गया। सामाजिक सहयोग और तनाव coping क्षमता के लिए मानकीकृत प्रश्नावली का उपयोग किया गया।

परिणामों से स्पष्ट हुआ कि जिन छात्रों को परिवार, मित्रों और शिक्षकों से पर्याप्त सामाजिक सहयोग प्राप्त था, उनमें तनाव से निपटने की क्षमता अधिक पाई गई। इसके विपरीत, कम सहयोग वाले छात्रों में मानसिक दबाव, चिंता और अवसाद के लक्षण अधिक दिखाई दिए। परिणाम यह भी दर्शाते हैं कि सामाजिक सहयोग तनाव प्रबंधन के लिए एक सशक्त साधन का कार्य करता है।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि महाविद्यालयीन छात्रों में शैक्षणिक तनाव को कम करने और मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने हेतु सामाजिक सहयोग का सशक्त नेटवर्क अत्यंत आवश्यक है।

1. प्रस्तावना

शिक्षा मानव जीवन का आधार स्तंभ है, जो व्यक्ति के बौद्धिक, सामाजिक, नैतिक और व्यावसायिक विकास में निर्णायक भूमिका निभाती है। किंतु वर्तमान युग में शिक्षा प्रणाली में तीव्र प्रतिस्पर्धा, उच्च अपेक्षाएँ और निरंतर मूल्यांकन की प्रक्रिया के कारण छात्रों में तनाव का स्तर अत्यधिक बढ़ गया है।

विशेषकर महाविद्यालय स्तर पर, जहाँ छात्र किशोरावस्था से वयस्कता की ओर संक्रमण कर रहे होते हैं, वहाँ विभिन्न प्रकार के मनोवैज्ञानिक दबाव उन्हें प्रभावित करते हैं।

शैक्षणिक तनाव (Academic Stress) उस मानसिक और शारीरिक अवस्था को कहा जाता है जो तब उत्पन्न होती है जब छात्र पर शैक्षणिक कार्यों, परीक्षाओं, ग्रेडिंग प्रणाली या भविष्य के करियर को लेकर अत्यधिक दबाव महसूस होता है।

1.1 शैक्षणिक तनाव के कारण

शैक्षणिक तनाव के कई प्रमुख स्रोत हैं—

- परीक्षा का दबाव और असफलता का भय
- शिक्षकों व अभिभावकों की अपेक्षाएँ
- सहपाठियों से प्रतिस्पर्धा
- आर्थिक समस्याएँ
- समय प्रबंधन की कठिनाई
- करियर को लेकर असुरक्षा
- पारिवारिक या सामाजिक दबाव

इन कारणों से छात्रों में चिंता, उदासी, आत्मसम्मान में गिरावट और कभी-कभी अवसाद जैसी स्थितियाँ उत्पन्न होती हैं।

2. सामाजिक सहयोग की अवधारणा

सामाजिक सहयोग को मनोविज्ञान में व्यक्ति को उसके सामाजिक परिवेश से प्राप्त भावनात्मक, सूचनात्मक या भौतिक सहायता के रूप में परिभाषित किया गया है।

सामाजिक सहयोग परिवार, मित्र, शिक्षक, सहपाठी या समुदाय के अन्य सदस्यों द्वारा प्रदान किया जा सकता है।

Cobb (1976) के अनुसार:

“सामाजिक सहयोग वह अनुभूति है कि व्यक्ति प्रिय, मूल्यवान और एक ऐसे नेटवर्क का हिस्सा है जो उसकी देखभाल करता है।”

सामाजिक सहयोग मुख्यतः तीन प्रकार का होता है—

1. भावनात्मक सहयोग (Emotional Support) – स्नेह, सहानुभूति और समझ

2. सूचनात्मक सहयोग (Informational Support) – सुझाव, मार्गदर्शन, परामर्श
3. व्यावहारिक सहयोग (Instrumental Support) – प्रत्यक्ष मदद जैसे आर्थिक सहायता या कार्य में भागीदारी

3. तनाव से निपटने की क्षमता (Coping Ability)

तनाव से निपटने की क्षमता उस प्रक्रिया को दर्शाती है जिसके माध्यम से व्यक्ति तनावपूर्ण परिस्थितियों का सामना करता है और उन्हें नियंत्रित करता है।

Lazarus और Folkman (1984) के अनुसार Coping दो प्रकार की होती है—

- Problem-focused coping (समस्या-केंद्रित)
- Emotion-focused coping (भावना-केंद्रित)

सामाजिक सहयोग दोनों प्रकार की coping को मजबूत बनाता है।

4. सामाजिक सहयोग और शैक्षणिक तनाव का संबंध

विभिन्न अध्ययनों से यह सिद्ध हुआ है कि जिन छात्रों को पर्याप्त सामाजिक सहयोग मिलता है, वे तनाव को अधिक प्रभावी ढंग से संभाल पाते हैं। सामाजिक सहयोग न केवल नकारात्मक भावनाओं को कम करता है बल्कि आत्मविश्वास, आशावाद और सकारात्मक दृष्टिकोण भी बढ़ाता है।

5. अध्ययन का औचित्य

यह अध्ययन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत जैसे देश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों को पारिवारिक, आर्थिक और सामाजिक दबावों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में सामाजिक सहयोग का स्तर उनके मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करता है।

2. साहित्य समीक्षा

लाज़रस और फॉकमैन (Lazarus & Folkman, 1984) ने अपने तनाव सिद्धांत में बताया कि सामाजिक सहयोग व्यक्ति की तनाव-प्रतिक्रिया प्रणाली को स्थिर करता है और मानसिक स्वास्थ्य में सकारात्मक भूमिका निभाता है।

काब (Cobb, 1976) ने कहा कि सामाजिक सहयोग तनाव के नकारात्मक प्रभावों को कम करने में “सुरक्षा कवच” (buffer) की भूमिका निभाता है।

टेलर (Taylor, 2007) के अनुसार, सामाजिक समर्थन व्यक्ति में कार्टिसोल (तनाव हार्मोन) के स्तर को कम करता है और शारीरिक-मानसिक संतुलन बनाए रखता है।

रोसेनबाम और बेन-अरी (Rosenbaum & Ben-Ari, 1999) ने अपने अध्ययन में पाया कि जिन छात्रों को भावनात्मक समर्थन प्राप्त होता है, वे कठिन शैक्षणिक परिस्थितियों में भी सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखते हैं।

हाउस और बार्कर (House & Barker, 1981) ने सामाजिक सहयोग को चार आयामों में वर्गीकृत किया—

1. भावनात्मक,
2. मूल्यांकनात्मक,
3. सूचनात्मक,
4. साधनात्मक सहायता।

शर्मा (2015) के भारतीय अध्ययन में यह स्पष्ट हुआ कि उच्च सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले छात्रों का आत्म-सम्मान अधिक होता है और वे शैक्षणिक तनाव से अधिक प्रभावी ढंग से निपटते हैं।

गुप्ता और मिश्रा (2018) के अध्ययन में पाया गया कि ग्रामीण छात्रों के लिए पारिवारिक सहयोग अधिक महत्वपूर्ण था, जबकि शहरी छात्रों के लिए मित्र सहयोग अपेक्षाकृत प्रभावी रहा।

कुमार (2020) ने महाविद्यालयीन छात्रों पर किए गए अध्ययन में बताया कि शिक्षकों और परामर्शदाताओं द्वारा दिए गए समर्थन से तनाव प्रबंधन में महत्वपूर्ण सहायता मिलती है।

पटेल और सिंह (2021) के अध्ययन में ऑनलाइन शिक्षा काल के दौरान पाया गया कि सामाजिक समर्थन की कमी छात्रों में अकेलापन, चिंता और अवसाद का कारण बनी।

नायर और मेहता (2022) ने COVID-19 काल में परिवार के भावनात्मक सहयोग को छात्रों की मानसिक स्थिरता का सबसे बड़ा आधार बताया।

भटनागर (2019) के अध्ययन में पाया गया कि सामाजिक सहयोग व्यक्ति की आत्म-प्रभावकारिता (Self-efficacy) बढ़ाता है, जिससे वह कठिनाइयों को अवसर में परिवर्तित कर सकता है।

जोशी (2017) ने कहा कि सामाजिक समर्थन केवल तनाव को कम ही नहीं करता, बल्कि प्रेरणा और लक्ष्य-प्राप्ति में भी सहायक होता है।

अली और अहमद (2020) के अध्ययन में कहा गया कि जिन छात्रों को माता-पिता और शिक्षकों का समर्थन मिलता है, वे आत्म-नियंत्रण और आत्म-सम्मान में अधिक सक्षम होते हैं।

3. कार्यप्रणाली

1. उद्देश्य

- सामाजिक सहयोग और शैक्षणिक तनाव से निपटने की क्षमता के मध्य संबंध का अध्ययन
- लिंग, पारिवारिक पृष्ठभूमि और सहयोग के प्रकार के आधार पर अंतर की पहचान

2. परिकल्पनाएँ

- जिन छात्रों को उच्च सामाजिक सहयोग प्राप्त है, उनमें coping क्षमता अधिक होगी।
- पुरुष व महिला छात्रों में सामाजिक सहयोग के प्रभाव में अंतर मिलेगा।

3. सैंपल चयन

- कुल प्रतिभागी – 200 छात्र
 - 100 पुरुष
 - 100 महिला
- आयु सीमा – 18 से 25 वर्ष
- विधि – सुविधाजनक नमूना चयन (Convenient Sampling)

4. उपकरण

- सामाजिक सहयोग मापन – Dubey & Shukla (2012)
- शैक्षणिक तनाव मापन – Bisht Stress Inventory (1987)
- Coping Scale – Lazarus द्वारा निर्मित (हिंदी रूपांतरण)

5. प्रक्रिया

सभी प्रश्नावलियाँ व्यक्तिगत रूप से दी गईं। डेटा का विश्लेषण Mean, SD, Correlation और t-test के माध्यम से किया गया।

4. परिणाम एवं विश्लेषण

तालिका 1: सामाजिक सहयोग स्तर के अनुसार औसत तनाव स्कोर

सामाजिक सहयोग स्तर	N	औसत (Mean)	SD	तनाव स्कोर (कम बेहतर)
उच्च सहयोग	70	45.3	8.2	कम
मध्यम सहयोग	80	56.8	9.1	मध्यम
निम्न सहयोग	50	69.1	7.5	अधिक

व्याख्या:

जैसे-जैसे सामाजिक सहयोग घटता है, तनाव का स्तर बढ़ता है।

तालिका 2: सामाजिक सहयोग और Coping क्षमता का सहसंबंध

चर	सहसंबंध गुणांक (r)	महत्व स्तर (p)
सामाजिक सहयोग ↔ Coping क्षमता	+0.68	p < 0.01
सामाजिक सहयोग ↔ शैक्षणिक तनाव	-0.62	p < 0.01

तालिका 3: लिंग के अनुसार औसत Coping स्कोर

लिंग	N	औसत (Mean)	SD	t-मूल्य
पुरुष	100	65.4	9.5	2.21*
महिला	100	70.8	8.7	

(*p < 0.05)

व्याख्या:

महिला छात्रों में coping क्षमता पुरुषों की तुलना में अधिक पाई गई।

तालिका 4: सामाजिक सहयोग के स्रोतों का तुलनात्मक प्रभाव

सहयोग का स्रोत	तनाव के साथ सहसंबंध (r)	क्रम
पारिवारिक सहयोग	-0.71	1
मित्र सहयोग	-0.64	2
शिक्षक सहयोग	-0.58	3
सहपाठी सहयोग	-0.49	4

निष्कर्षः

पारिवारिक सहयोग तनाव घटाने में सबसे अधिक प्रभावी पाया गया।

चर्चा

परिणाम स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि सामाजिक सहयोग छात्रों के तनाव प्रबंधन में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

महिला छात्रों में भावनात्मक सहयोग का प्रभाव अधिक था, जबकि पुरुष छात्रों में समस्या-केंद्रित रणनीतियाँ अधिक प्रभावी रहीं।

निष्कर्ष

- सामाजिक सहयोग और शैक्षणिक तनाव में नकारात्मक संबंध है।
- सामाजिक सहयोग coping क्षमता बढ़ाता है।
- महिला छात्रों में सहयोग के प्रति संवेदनशीलता अधिक पाई गई।
- पारिवारिक सहयोग सबसे अधिक प्रभावी पाया गया।
- शैक्षणिक संस्थानों को परामर्श एवं सहयोगी वातावरण विकसित करना चाहिए।

संदर्भ सूची

- लाज़र्स, आर. एस., एवं फॉकमैन, एस. (1984). *Stress, Appraisal and Coping*. न्यूयॉर्क: स्प्रिंगर.
- काब, एस. (1976). Social Support as a Moderator of Life Stress. *Psychology and Health*, 3(2), 125–136.
- टेलर, एस. ई. (2007). *Health Psychology* (6ठा संस्करण). न्यूयॉर्क: मैकग्रा-हिल.

4. रोसेनबाम, एम., एवं बेन-अरी, आर. (1999). The Relationship of Coping and Social Support to Stress in College Students. *Journal of Youth Studies*, 12(3), 245–260.
5. हाउस, जे. एस., एवं बार्कर, जी. (1981). *Social Support and Health*. मिशिगन: यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन प्रेस.
6. शर्मा, आर. (2015). सामाजिक सहयोग और विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का विश्लेषण. *भारतीय मनोविज्ञान समीक्षा*, 29(1), 22–32.
7. गुप्ता, एस., एवं मिश्रा, ए. (2018). ग्रामीण एवं शहरी छात्रों में सामाजिक सहयोग का तुलनात्मक अध्ययन. *शैक्षणिक अनुसंधान पत्रिका*, 14(4), 55–63.
8. कुमार, वी. (2020). महाविद्यालयीन छात्रों में शैक्षणिक तनाव एवं Coping शैली. *उच्च शिक्षा शोध पत्रिका*, 18(2), 40–52.
9. पटेल, एस., एवं सिंह, एम. (2021). ऑनलाइन शिक्षा में सामाजिक सहयोग की भूमिका: COVID-19 विशेष अध्ययन. *नई शिक्षा दृष्टि*, 10(1), 70–84.
10. नायर, ए., एवं मेहता, आर. (2022). कोविड-काल में भावनात्मक सहयोग का महत्व. *आधुनिक मनोविज्ञान जर्नल*, 16(2), 91–103.
11. भट्टनागर, ए. (2019). विद्यार्थियों में आत्म-प्रभावकारिता और सामाजिक सहयोग: एक विश्लेषण. *Educational Insights Journal*, 11(3), 37–48.
12. जोशी, डी. (2017). सामाजिक सहयोग और लक्ष्य-प्राप्ति के मध्य संबंध. *समकालीन शिक्षा शोध*, 9(4), 15–27.
13. अली, एस., एवं अहमद, टी. (2020). अभिभावकीय सहायता और छात्र तनाव: एक सर्वेक्षण. *Indian Journal of Social Psychology*, 33(1), 56–66.
14. वर्मा, आर. (2016). सामाजिक सहयोग के प्रकार और शिक्षार्थियों पर प्रभाव. *राष्ट्रीय शिक्षा पत्रिका*, 8(2), 12–21.
15. सिंह, आर. पी. (2014). कॉलेज छात्रों में तनाव उत्पन्न करने वाले कारक. *भारतीय शिक्षा मनोविज्ञान जर्नल*, 26(1), 44–58.
16. चतुर्वेदी, आर. (2013). भावनात्मक सहयोग एवं मानसिक स्वास्थ्य. *मनोविज्ञान अध्ययन*, 7(2), 31–41.
17. श्रीवास्तव, एस. (2011). तनाव प्रबंधन में सामाजिक सहयोग की भूमिका. *मानसिक स्वास्थ्य पत्रिका*, 19(3), 25–34.

18. शुक्ला, के., एवं दुबे, पी. (2012). सामाजिक सहयोग मापनी का विकास एवं मानकीकरण. *मनोवैज्ञानिक मापन*, 5(1), 9–18.
19. बिष्ट, ए. आर. (1987). *शैक्षणिक तनाव सूची*. आगरा: राष्ट्रीय मनोविज्ञान कॉर्पोरेशन.
20. दास, आर. (2010). भारतीय विद्यार्थियों में तनाव और सामाजिकता. *देसी मनोविज्ञान समीक्षा*, 22(3), 65–75.
21. कौल, एस. (2018). उच्च शिक्षा में तनाव के कारण एवं निवारण. *शिक्षा संकाद*, 12(4), 50–60.
22. पांडे, बी. (2019). भावनात्मक समर्थन और Coping रणनीतियाँ: एक विश्लेषण. *व्यक्तित्व एवं व्यवहार जर्नल*, 5(2), 72–83.
23. अग्रवाल, टी. (2017). सामाजिक समर्थन और छात्र अवसाद. *मनोविज्ञान परिप्रेक्ष्य जर्नल*, 15(2), 28–39.
24. त्रिपाठी, एस. (2020). मित्र सहयोग का विद्यार्थी तनाव पर प्रभाव. *कॉलेज शिक्षा जर्नल*, 6(1), 33–41.
25. कश्यप, मोनिका (2021). सहपाठी समर्थन एवं शैक्षणिक प्रदर्शन के मध्य संबंध. *शिक्षण प्रक्रिया जर्नल*, 13(2), 46–57.
26. चौधरी, आर. (2022). सामाजिक सहयोग और भावनात्मक बुद्धिमत्ता का अंतर्संबंध. *Applied Psychology Journal*, 10(1), 19–30.
27. यादव, एस. के. (2018). शिक्षक सहयोग एवं तनाव नियंत्रण. *आधुनिक शिक्षाशास्त्र*, 4(3), 14–23.